एक्सपो मार्ट करेगा कालीन मेले की मेजबानी

कालीन निर्यात संवर्धन परिषद ने अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले के आयोजन की हामी भरी

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही। कालीन नगरी में 200 करोड़ की लागत से बनकर तैयार कारपेट एक्सपो मार्ट 30 सितंबर को कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) को हस्तांतरित होगा। हस्तांतरण के बाद परिषद ने दिसंबर-जनवरी में यहां अंतर्राष्ट्रीय कालीन मेले के आयोजन की हामी भरी है। यदि वे कालीन मेला आयोजन करते हैं तो प्रदेश सरकार 50 लाख रुपये का अनुदान दिलाएगी। ये बातें शुक्रवार को दोपहर कालीन भवन में निर्यातकों संग बैठक में प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्दम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत सहगल ने कही।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रदेश के कालीन निर्यात में वृद्धि देखना चाहती है। इसके लिए चाहे जो प्रयास करना पड़े करेंगे। यही कारण है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक्सपो मार्ट में जल्द से जल्द गतिविधियां देखना चाहते हैं। प्रमुख सचिव ने कहा कि आपकी हर समस्या का अलग अलग निदान होगा। जिस पर मिल बैठ कर विचार की आवश्यकता है। एकमा अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल को लखनऊ बुलाया। इससे पूर्व ऑल इंडिया कारपेट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एकमा) के अध्यक्ष ओएन मिश्रा ने उद्योग की समस्याएं रखीं। भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) को क्रियान्वित करने में सहयोग मांगा। पूर्व एकमा अध्यक्ष रवि पाटोदिया ने स्पेशल इकनामिक जोन योजना

30 सितंबर को सीईपीसी को हस्तांतरित होगा कारपेट एक्सपो मार्ट

प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रमुख सचिव नवनीत सहगल ने की बैठक

परवान न चढ़ पाने की बात रखते हुए इसे दूसरे रूप में लाभ दिलाने की मांग की तो पूर्व मानद सचिव अरशद वजीरी में प्रदेश सरकार की मार्केट डेवलपमेंट एसिस्टेंस (एमडीए) योजना की विसंगतियों की ओर ध्यानाकृष्ट कराया। पूर्व मानद सचिव पियूष बरनवाल ने कहा कि कालीन उद्योग के स्वरूप को देखते हुए ई-वे बिल से काफी परेशानी हो रही है। सूर्यमणि तिवारी ने हस्तनिर्मित और मशीन मेड कालीनों को अलग अलग एचएसएन कोड में डालने की मांग की जबकि वाईके राय काका ने बुनकरों के लिए सब्सिडी योजना चालू करने की मांग की।

सीईपीसी के चेयरमैन सिद्धनाथ सिंह ने कहा कि हम पुरानी बातें भूल कर प्रमुख सचिव के आश्वासन पर कारपेट एक्सपो मार्ट को संचालन के लिए ले रहे हैं। हमें पूरा विश्वास है कि मार्ट का संचालन तो हम करेंगे, लेकिन इसमें न केवल कालीन निर्यातकों का बल्कि प्रदेश सरकार का सहयोग मिलता रहेगा। अंत में प्रमुख सचिव ने चीन के अंतराष्ट्रीय कालीन मेले में बेस्ट डिजाइन का पुरस्कार पाने वाले बृजेश गुप्ता, संजय गुप्ता, संतोष गुप्ता को शॉल पहना कर सम्मानित किया और उन्हें और आगे बढ़ने के लिए उत्साहित किया। संचालन संयुक्त आयुक्त उद्योग उमेश सिंह ने किया। डीएम राजेंद्र प्रसाद, सीईओ बीडा कृतिका ज्योत्सना भी मौजूद रहीं।

निर्यातकों को संबोधित करते प्रमुख सचिव नवनीत सहगल। अमर उजाला

कालीन भवन में प्रमुख सचिव की बैठक में उपस्थित कालीन निर्यातक।

बुनकरों को मिलें सब्सिडी वाले लूम

भदोही। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) से शुक्रवार को भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय के सब्सिडी वाले लूमों का वितरण किया। इस मौके पर सीईपीसी चेयरमैन सिद्धनाथ सिंह ने कहा कि बुनकरों को सस्ते दर पर लूम उपलब्ध कराने से लोग लाभान्वित होंगे। बताया कि सरकार की योजना के तहत 20 हजार वाला लूम मात्र चार हजार रुपये में दिया जा रहा है।

कहा कि अन्य उद्योगों की तरह कालीन उद्योग भी मंदी का शिकार है। भारी संख्या में बुनकरों को पलायन हो रहा है। जिन्हें रोक पाना मुश्किल कार्य है। ऐसे में सस्ते दर पर लूम उपलब्ध कराने से नए बुनकर कालीन बुनाई में आ सकते हैं जिससे उत्पादन बना रहेगा। संस्थान के एसके पांडेय ने संचालन करते हुए बताया कि आर्टिजन कार्ड धारक अथवा निर्यातकों से प्रमाणित बुनकर यह लाभ उठा सकते हैं। निदेशक डा.आलोक कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि आज कुल 67 लूमों का स्वामित्व बुनकरों को दिया गया। इनमे अलग अलग साइज के लूम हैं। इस मौके पर सीईपीसी के प्रशासनिक समिति के सदस्य अब्दुल रब, उमेश कुमार मुन्ना, ओएन मिश्रा, संजय गुप्ता, श्रीराम मौर्य, हुसैन जाफर हुसैनी, ईडी संजय कुमार, उपनिदेशक वीके सिन्हा भी मौजूद रहे।

हस्तांतरण के बाद भी शासन का सहयोग बना रहेगा

अमर उजाला ब्यूरो

प्रमुख सचिव ने किया एक्सपो मार्ट का निरीक्षण

भदोही। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत सहगल ने शुक्रवार को कारपेट एक्सपो मार्ट का निरीक्षण किया। दोपहर ढाई बजे निरीक्षण करने पहुंचे प्रमुख सचिव ने मार्ट को विधिवत देखने के बाद वहीं पर कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में प्रमुख सचिव ने साफ किया कि मुख्यमंत्री यहां हर शीघ्र गतिविधि देखना चाहते हैं। बैठक सीईपीसी चेयरमैन सिद्धनाथ सिंह समेत उनके आधा दर्जन से अधिक प्रशासनिक समिति के सदस्य मौजूद रहे। प्रमुख सचिव ने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यदि आप इसे लेंगे तो बताएं अन्यथा हम इसके संचालन के लिए कोई विकल्प ढूंढें। इस पर सीईपीसी चेयरमैन अपने पदाधिकारियों के साथ अलग बैठक कर विचार करने के लिए कुछ समय मांगा। अलग बैठक कर सीईपीसी ने प्रमुख सचिव के सामने अपनी कुछ समस्याएं और शर्तें रखीं। प्रमुख सचिव ने साफ किया कि मार्ट के हस्तांतरण के बाद भी शासन का हर तरह से सहयोग बना रहेगा। भदोही से कालीन निर्यात बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। इस पर दोनो पक्ष राजी हो गए। निरीक्षण में आयुक्त एवं निदेशक उद्योग गौरव कुमार, जिलाधिकारी राजेंद्र प्रसाद, सीईओ बीडा कृतिका ज्योत्सना, अधिशासी निदेशक सीईपीसी संजय कुमार, उमेश गुप्ता मुन्ना, हाजी अब्दुल रब, संजय गुप्ता, ओएन मिश्रा, श्रीराम मौर्य, हुसैन जाफर, उपस्थित रहे।

Amar Ujala, Bhadohi, September 7, 2019